

देव भूमि हिमाचल

स्थानीय निकाय चुनावों में सत्ता के दुरुपयोग का हिमाचल भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर लगाया आरोप

हिमाचल प्रदेश भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को प्रभावित करने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी नेताओं का दावा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर किया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हिमाचल प्रदेश इकाई ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वर बिंदल और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार पर स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों को अनुचित रूप से प्रभावित करने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। भाजपा नेताओं का तर्क है कि सरकारी मशीनरी का यह कथित दुरुपयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। उन्होंने विशेष रूप से पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों का उल्लेख किया है जहाँ इन जोड़-तोड़ की युक्तियों को नियोजित किया जा रहा है। आरोपों से पता चलता है कि सत्तारूढ़ दल आगामी स्थानीय चुनावों में लाभ हासिल करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपना रहा है, जिससे राज्य में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और अखंडता पर चिंताएं बढ़ गई हैं।

स्रोत: Latestly



चित्र: Wikimedia Commons / Bharatiya Janata Party

हिमाचल प्रदेश में सरकारी नौकरी के लिए अब अनिवार्य होगा नशा-विरोधी परीक्षण



चित्र: Wikimedia Commons / Prime Minister's Office

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हिमाचल प्रदेश सरकार ने घोषणा की है कि भविष्य की सभी सरकारी नियुक्तियों के लिए एक नशा-विरोधी (चिट्ठा) परीक्षण अनिवार्य कर दिया जाएगा। यह निर्णय राज्य के नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं के बढ़ते प्रसार को रोकने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सघन अभियान का हिस्सा है। इस अनिवार्य परीक्षण से नशे के सेवन को हतोत्साहित करने और यह सुनिश्चित करने की उम्मीद है कि सार्वजनिक सेवा में प्रवेश करने वाले व्यक्ति मादक द्रव्यों के सेवन से मुक्त हों।

स्रोत: Latestly